

खबर संक्षेप

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

जयपुर @ पदमावत मीडिया। नगर निगम जयपुर आयुक्त श्री ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बीटी रोड़ मानसरोवर, अरावली पथ, गोपालपुरा पुलिया के नीचे, जगतपुरा रेलवे निवास, सागानेर बाजार व सब्जीमंडी, गोपाला पिंजरा पोल के सामने, केलाष टॉवर जलमहल, आमेर रोड़, मावठा, गांधी चैक, आमेर, कुण्डा, दिल्ली बाईपास रोड़, धोबी घाट, मानबाग, पुरानी चुंगी से संकट मौचन हनुमान मंदिर तक, वन विहार लाल ढुंगरी, दिल्ली बाईपास रोड़, ईदगाह, राष्ट्रीय आयुर्वेदिक संस्थान गोविन्द नगर ब्रह्मपुरी, प्याम नगर मेट्रो स्टेपन, न्यू सांगानेर रोड़, गुर्जर की थड़ी, न्यू आतिष मार्केट, चम्पा नगर, देवी नगर, गुर्जर की थड़ी तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 78 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 24 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बीटी रोड़ मानसरोवर, अरावली पथ, गोपालपुरा पुलिया के नीचे, जगतपुरा रेलवे निवास, सागानेर बाजार व सब्जीमंडी, गोपाला पिंजरा पोल के सामने, केलाष टॉवर जलमहल, आमेर रोड़, मावठा, गांधी चैक, आमेर, कुण्डा, दिल्ली बाईपास रोड़, धोबी घाट, मानबाग, पुरानी चुंगी से संकट मौचन हनुमान मंदिर तक, वन विहार लाल ढुंगरी, दिल्ली बाईपास रोड़, ईदगाह, राष्ट्रीय आयुर्वेदिक संस्थान, गोविन्द नगर ब्रह्मपुरी, प्याम नगर मेट्रो स्टेपन, न्यू सांगानेर रोड़, गुर्जर की थड़ी, न्यू आतिष मार्केट, चम्पा नगर, देवी नगर, गुर्जर की थड़ी तक अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 24 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 78 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक (चालक) के 1,000 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

भोपाल @ पदमावत मीडिया। मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक (चालक) के 1,000 पदों पर सीधी भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा भर्ती परीक्षा-2026 की नियमपुस्तिका जारी की गई है। इनमें 200 पद विशेष सशस्त्र बल तथा 800 पद जिला पुलिस बल के लिए निर्धारित हैं। भर्ती केवल पुरुष अर्थाथियों के लिए है।

पुलिसिंग में वाहनों की भूमिका केवल आवागमन तक सीमित नहीं है, बल्कि घटनास्थल पर त्वरित पहुंच, आपातकालीन सहायता, कानून-व्यवस्था की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया, गश्त, बल की आवाजाही तथा आवश्यकता के समय पुलिस संसाधनों की प्रभावी तैनाती से सीधे जुड़ी है। ऐसे में प्रशिक्षित आरक्षक (चालक) पुलिस की मैदानी कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आरक्षक (चालक) के लिए निर्धारित चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के साथ शारीरिक दक्षता परीक्षा और अनिवार्य ट्रेड टेस्ट का प्रावधान किया गया है। अर्थाथियों के लिए भारी वाहन चलाने का वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी अनिवार्य है। इससे पुलिस बल को वाहन संचालन में दक्षता के साथ-साथ निर्धारित शारीरिक एवं कार्यात्मक क्षमताओं वाले कार्मिक उपलब्ध कराने का उद्देश्य परिलक्षित होता है। आरक्षक (चालक) पुलिस के उन मैदानी कार्यों में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं, जहां पुलिस टीम की गति और समय पर घटनास्थल तक पहुंच सीधे कार्रवाई की प्रभावशीलता से जुड़ी होती है। विशेष रूप से दुर्घटनाओं, आपात स्थितियों, कानून-व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों और नियमित पुलिस गश्त में वाहन एवं चालक की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। इस भर्ती से जिला पुलिस बल और विशेष सशस्त्र बल की मैदानी आवश्यकताओं के अनुरूप मानव संसाधन को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। भर्ती नियमों में उम्मीदवारों के लिए विभिन्न पुलिस इकाइयों/केडर के विकल्प का भी प्रावधान किया गया है, जिससे चयनित कार्मिकों की उपलब्धता पुलिस बल की आवश्यकताओं के अनुरूप सुनिश्चित की जा सकेगी।

मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, प्रभावी गश्त और आवश्यकता के समय पुलिस बल की गतिशीलता महत्वपूर्ण हैं। आरक्षक (चालक) की यह भर्ती इन्हें मैदानी आवश्यकताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पितृ-पक्ष विशेष - चित्तौड़गढ़: केवल एक किला नहीं, हमारी सभ्यता की खुली हुई पुस्तक है

पदमावत मीडिया
padmavatmedia@gmail.com



कुछ स्थान केवल पत्थरों, दीवारों और स्थापत्य से नहीं बने होते। वे किसी राष्ट्र की स्मृति होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों से संवाद करते हैं। वे बताते हैं कि किसी समाज ने क्या जिया, क्या सहा, किन मूल्यों के लिए संघर्ष किया और किन आदर्शों को अपने समय से आगे ले जाने का साहस किया।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग ऐसा ही एक स्थान है। यह केवल राजस्थान का एक दुर्ग नहीं है। यह भारतीय इतिहास के उन महान अध्यायों का जीवंत साक्षी है, जिनमें स्वाभिमान, स्वतंत्रता, त्याग, शौर्य, संस्कृति, आस्था और असाधारण मानवीय दृढ़ता एक साथ दिखाई देती है। यूनेस्को ने राजस्थान के छह दुर्गों को व्हिहिल फोर्ट्स ऑफ राजस्थानह्द के रूप में विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है। स्वयं यूनेस्को चित्तौड़गढ़ को सिसोदिया राजवंश की पूर्व राजधानी, तीन प्रसिद्ध ऐतिहासिक घेराबंदियों, साखों और जौहर का साक्षी और 8वीं से 16वीं शताब्दी तक के असाधारण स्थापत्य अवशेषों वाला ऐसा दुर्ग मानता है जिसकी विशालता और स्मारकीयता की तुलना भारत के बहुत कम दुर्गों से की जा सकती है।

राजस्थान पर्यटन भी इसे राजपूत आत्मा का प्रतीक बताता है। लगभग 180 मीटर ऊँची पहाड़ी पर विस्तृत यह दुर्ग अपने भीतर विजय स्तंभ, कीर्ति स्तंभ, मंदिरों, महलों, जल संरचनाओं, द्वारों और असंख्य ऐतिहासिक स्मृतियों को समेटे हुए है।

लेकिन प्रश्न यह है—

क्या हम चित्तौड़ को केवल देखने की वस्तु बनाकर छोड़ देंगे?

या फिर इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत विश्वविद्यालय—इतिहास, स्थापत्य, संस्कृति, जल प्रबंधन, युद्धनीति, कला और भारतीय सभ्यता का खुला हुआ पाठ्यक्रम बनाएँगे? यही वह प्रश्न है जिस पर आज गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

चित्तौड़ की दीवारों में इतिहास नहीं, इतिहास की धड़कन है

चित्तौड़ को समझना केवल तीन युद्धों या कुछ प्रसिद्ध नामों को याद करना नहीं है। यह उस सभ्यता को समझना है जिसने संकट के सामने अपने अस्तित्व का प्रश्न खड़ा किया। यह बप्पा रावल से लेकर राणा कुम्भा, राणा सांगा और महाराणा प्रताप की ऐतिहासिक परंपरा को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रवेशद्वार है। यह उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्त्री-पुरुषों की स्मृति है जिन्होंने इतिहास की कठिन घड़ियों में अपने निर्णय स्वयं लिए।

यह पन्ना धाय के त्याग, मीराबाई की भक्ति, महारानी पद्मिनी, महारानी कर्णावती और असंख्य महिलाओं के जौहर, महाराजकुमार चुंडा के त्याग व समर्पण, राणा कुम्भा की स्थापत्य और सांस्कृतिक दृष्टि, विजय स्तंभ की स्मृति, जयमल पत्ता के शौर्य व बलिदान और चित्तौड़ की उन त्रासद घड़ियों की कहानी है जिन्हें राजस्थान की लोक-स्मृति ने सदियों तक जीवित रखा। इसलिए चित्तौड़ का महत्व केवल राजपूत इतिहास तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा।

चित्तौड़ भारतीय इतिहास का हिस्सा है।

फिर इतना बड़ा प्रश्न क्यों नहीं उठता—चित्तौड़ के लिए एक सम्पूर्ण रेस्टोरेशन मिशन क्यों नहीं? यहाँ एक गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है।

भारत में विशाल परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं। आधुनिक शहर बनाए जाते हैं। भव्य फिल्म सिटी और विशाल फिल्म सेट बनाए जा सकते हैं। अस्थायी संरचनाएँ भी इतनी भव्य बनाई जाती हैं कि वे कुछ समय के लिए वास्तविक नगरों और राजमहलों जैसी प्रतीत होती हैं। तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक है— यदि हम आज के लिए भव्यता का निर्माण कर सकते हैं, तो अपने अतीत की वास्तविक भव्यता को बचाने के लिए उसी स्तर की कल्पनाशीलता, विशेषज्ञता और संसाधन क्यों नहीं जुटा सकते? यह किसी कृत्रिम प्रतिकृति के निर्माण का प्रश्न नहीं है। बल्कि इसके ठीक विपरीत— जो वास्तविक है, उसे वास्तविक रूप में बचाने का प्रश्न है। चित्तौड़ को किसी फिल्म सेट में बदलना नहीं है। फिल्म सेट को चित्तौड़ जैसा बनाने की आवश्यकता पड़ती है; चित्तौड़ को किसी फिल्म सेट जैसा बनाने की आवश्यकता नहीं है। उसके पास वह इतिहास है जिसे कोई निमाता लिख नहीं सकता, वह स्थापत्य है जिसे कोई कला निर्देशक पूरी तरह पुनः निर्मित नहीं कर सकता और वह स्मृति है जिसे कोई स्टूडियो पैदा नहीं कर सकता।

रेस्टोरेशन का अर्थ नया चित्तौड़ बनाना नहीं है

यह अंतर समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक



यशवर्धन राणावत, उदयपुर लेखक एवं विचारक पर्यटन विशेष

संरक्षण का अर्थ पुरानी इमारतों को मनमाने ढंग से नया बना देना नहीं है। इसका अर्थ है—

- मूल स्थापत्य का दस्तावेजीकरण
- संरचनात्मक स्थिरता सुनिश्चित करना
- जहाँ संभव हो वहाँ पारंपरिक तकनीकों और सामग्रियों का संरक्षण
- टूटे हुए हिस्सों का वैज्ञानिक संरक्षण
- जल संरचनाओं का पुनर्जीवन
- मंदिरों और स्मारकों की विशेषज्ञ देखभाल
- ऐतिहासिक मार्गों और द्वारों की सुरक्षा
- शिलालेखों और मूर्तिकला का संरक्षण
- वनस्पति एवं जल निकासी का वैज्ञानिक प्रबंधन
- अतिक्रमण और अनियंत्रित विकास पर नियंत्रण
- और प्रत्येक इंटरवेंशन का स्पष्ट डॉक्यूमेंटेशन

यूनेस्को स्वयं चित्तौड़गढ़ में कुछ संरचनाओं के प्रोप्रेसिव डिके या कोलेप्स को लेकर चिंता दर्ज कर चुका है और संरक्षण परियोजनाओं तथा विकास कार्यों के लिए हेरिटेज इम्पैक्ट असेसमेंट जैसी प्रक्रियाओं पर जोर देता रहा है।

अर्थात समस्या काल्पनिक नहीं है। संरक्षण की आवश्यकता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दर्ज है। चित्तौड़ को एक लिविंग हेरिटेज कैपेस क्यों नहीं बनाया जा सकता?

कल्पना कीजिए— एक ऐसा चित्तौड़गढ़ जहाँ पर्यटक केवल विजय स्तंभ देखकर वापस न लौटे। जहाँ उसे एक व्हामर्सिव हिस्टोरिकल एक्सपीरियंसमिले। जहाँ डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से वह देख सके कि सदियों पहले दुर्ग कैसा दिखाई देता था। जहाँ बच्चों के लिए हेरिटेज इंटरप्रिटेशन सेंटर्स हों। जहाँ इतिहासकारों के लिए रिसर्च फैसिलिटीज हों। जहाँ वास्तुकला के विद्यार्थी पारंपरिक निर्माण तकनीकों का अध्ययन करें। जहाँ पुरातत्वविद् और कंजर्वेशन आर्किटेक्ट्स लगातार रिसर्च करें। जहाँ प्राचीन जल प्रबंधन प्रणाली को समझाया जाए। जहाँ युद्धनीति, दुर्ग-निर्माण, कला, संगीत, साहित्य और मेवाड़ की राजनीतिक व्यवस्था पर एकजीबिशंस हों। जहाँ स्थानीय कारीगरों को पारंपरिक शिल्प के लिए स्थान मिले। जहाँ मेवाड़ी भोजन, वस्त्र, लोकसंगीत और लोककथाओं को सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया जाए। और जहाँ हर पत्थर पर एक क्यूआर कोड लगाने की बजाय पूरे अनुभव को कहानी में बदला जाए। तब चित्तौड़ केवल एक मॉन्युमेंट नहीं रहेगा। वह एक लिविंग म्यूजियम बन जाएगा।

इसका आर्थिक लाभ? शायद हम कल्पना भी नहीं कर रहे

हेरिटेज कंजर्वेशन को अक्सर खर्च समझा जाता है। जबकि सही दृष्टिकोण से यह दीर्घकालिक आर्थिक निवेश हो सकता है। यदि चित्तौड़गढ़ को विश्वस्तरीय हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाए, तो इसके आसपास—

होटल, होमस्टे, रेस्टोरेंट, गाइड, ट्रांसपोर्ट, हैंडीक्राफ्ट्स, लोकल किचन, कल्चरल परफॉर्मेंस, म्यूजियम्स, रिसर्च प्रोग्राम्स, हेरिटेज वॉक, साउंड एंड लाइट शो, कॉन्फ्रेंसेज और अनेक नए रोजगार पैदा हो सकते हैं।

अर्थात—पत्थरों को बचाने पर पैसा खर्च नहीं होगा; पत्थर भविष्य में पैसा पैदा करेंगे। लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पैसा अकेला उद्देश्य नहीं होना चाहिए। यदि संरक्षण के कारण स्थानीय लोगों की आजीविका बढ़ती है, युवाओं को रोजगार मिलता है, कारीगरों को बाजार मिलता है और दुनिया भर से लोग मेवाड़ की संस्कृति को समझने आते हैं, तो यह संरक्षण अपने आप में विकास का मॉडल बन सकता है।

क्या हिंदू समाज को भी यह प्रश्न नहीं पूछना चाहिए?

भारत में हिंदू समाज की संख्या बहुत बड़ी है। हमारी सभ्यता, परंपराओं और ऐतिहासिक स्मृतियों से जुड़े असंख्य स्थान आज भी लोगों की आस्था और पहचान का हिस्सा हैं।

ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है—

इतने विशाल हिंदू समाज के बीच चित्तौड़ जैसे अत्यंत



महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक प्रतीक के संरक्षण को लेकर व्यापक सामाजिक अभियान क्यों दिखाई नहीं देता?

यह प्रश्न किसी अन्य धर्म, समुदाय या विरासत के विरुद्ध नहीं है।

बल्कि अपने हिस्से की जिम्मेदारी स्वीकार करने का प्रश्न है। हम दूसरे देशों में जाकर उनके कैसल्स और हेरिटेज सिटीज देखकर प्रभावित होते हैं। हम यूरोप के मिडीवल टाउन्स की प्रिजर्व्ड स्ट्रीट्स देखकर आश्चर्य करते हैं।

हम फिल्मी पदें पर बनाए गए भव्य महलों और ऐतिहासिक नगरों को देखकर रोमांचित होते हैं। तो फिर हमारे पास वास्तविक इतिहास के इतने विशाल परिसर को बचाने और समझाने की सामूहिक महत्वाकांक्षा क्यों न हो?

हमें चतौड़ बचाओ से आगे बढ़कर व्हचौड़ समझोह अभियान चाहिए

केवल दीवारें बचा लेना पर्याप्त नहीं होगा। हमें इतिहास को भी बचाना होगा।इतिहास को केवल भावनात्मक नारों में नहीं, बल्कि शोध, दस्तावेज, शिक्षा और प्रमाण के साथ अगली पीढ़ी तक पहुँचाना होगा। हर विद्यालय का बच्चा यदि चित्तौड़ आए तो उसे केवल यह न बताया जाए कि—

यहाँ युद्ध हुआ था। उसे बताया जाए—क्यों हुआ था? किस राजनीतिक परिस्थिति में हुआ था? दुर्ग कैसे काम करता था? पानी कहाँ से आता था? लोग कैसे रहते थे? शासन कैसे चलता था? मंदिरों और स्थापत्य की क्या भूमिका थी? उस समय की अर्थव्यवस्था कैसी थी? स्त्रियों की भूमिका क्या थी?

और उन घटनाओं से आज की पीढ़ी क्या सीख सकती है?

तभी इतिहास स्मारक से निकलकर शिक्षा बनेगा।

चित्तौड़ को केवल गौरव का प्रतीक नहीं, जिम्मेदारी का प्रतीक बनाना होगा

हम अक्सर कहते हैं—हमें अपने इतिहास पर गर्व है।

लेकिन इतिहास पर गर्व करने का सबसे प्रमाणिक तरीका केवल उसके नाम लेना नहीं है। उसकी रक्षा करना है। यदि किसी दीवार पर समय की मार पड़ रही है, तो उसे बचाना है। यदि कोई जल संरचना सूख रहा है, तो उसे समझना और पुनर्जीवित करना है।

यदि कोई शिलालेख मिट रहा है, तो उसे डॉक्यूमेंट करना है।

यदि कोई स्थापत्य तकनीक विलुप्त हो रही है, तो उसके कारीगरों और ज्ञान को संरक्षित करना है।

यदि युवा अपने इतिहास से दूर हो रहे हैं, तो उन्हें इतिहास से जोड़ना है। और यदि दुनिया चित्तौड़ को देखना चाहती है, तो हमें उसे केवल टूरिस्ट स्पॉट नहीं बल्कि सिविलाइजेशनल एक्सपीरियंस बनाना है।

एक राष्ट्रीय स्तर का चित्तौड़गढ़ इंटीग्रेटेड हेरिटेज रेस्टोरेशन मिशन क्यों नहीं?

एक दीर्घकालीन, चरणबद्ध और पारदर्शी योजना बनाई जा सकती है—

पहला चरण — कम्पलीट डॉक्यूमेंटेशन दुर्ग के प्रत्येक महल, मंदिर, द्वार, जलाशय, बावड़ी, दीवार, शिलालेख और महत्वपूर्ण अवशेष का हाई रेजोल्यूशन डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन।

दूसरा चरण — स्ट्रक्चरल कांजर्वेशन जो संरचनाएँ कमजोर हैं, उनका वैज्ञानिक स्ट्रक्चरल ऑडिट और कांजर्वेशन।

तीसरा चरण — वाटर हेरिटेज रिवाइवल दुर्ग की ऐतिहासिक जल प्रणालियों का अध्ययन और जहाँ संभव हो पुनर्जीवन।

चौथा चरण — कल्चरल इंटरप्रिटेशन विश्वस्तरीय म्यूजियम, इंटरप्रिटेशन सेंटर, डिजिटल गैलरीज और मल्टीमीडियाल हिस्टोरिकल नैरेटिव्स।

पाँचवाँ चरण — हेरिटेज इकॉनॉमी स्थानीय युवाओं को गाइड ट्रेनिंग, हॉस्पिटैलिटी,

हैंडीक्राफ्ट, कल्चरल परफॉर्मेंस और हेरिटेज एंटरप्रेनोरशिप से जोड़ना।

छठा चरण — ग्लोबल प्रमोशन चित्तौड़ को केवल राजस्थान टूरिज्म सर्किट का हिस्सा नहीं बल्कि भारत के प्रीमियर लिविंग हेरिटेज डेस्टिनेशन्स में स्थापित करना।

और यह सब करते हुए यूनेस्को के कंजर्वेशन प्रिंसिपल्स और हेरिटेज इंपैक्ट असेसमेंट जैसी प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात—चित्तौड़ को पुनर्जीवित करने का अर्थ अतीत में लौटना नहीं है ' बल्कि—

अतीत को भविष्य से जोड़ना है। एक बच्चा जब विजय स्तंभ को देखे तो उसे केवल एक ऊँची इमारत न दिखाई दे। उसे उसमें इतिहास दिखाई दे। एक युवा जब पद्मिनी महल या कीर्ति स्तंभ के पास खड़ा हो तो उसके मन में केवल तस्वीरें लेने की इच्छा न हो।

उसे प्रश्न पूछने की इच्छा हो। एक वास्तुकला का विद्यार्थी चित्तौड़ आए तो उसे केवल पुराने पत्थर न दिखें। उसे सदियों पुरानी इंजीनियरिंग दिखाई दे। एक विदेशी पर्यटक आए तो उसे केवल एक्सोटिक राजस्थान न दिखाई दे।

उसे भारत की एक महान सभ्यता की जटिलता और गहराई दिखाई दे। और मेवाड़ का अपना युवा जब इस दुर्ग से बाहर निकले तो उसके मन में केवल गौरव नहीं—

जिम्मेदारी भी पैदा हो ' चित्तौड़ को बचाना केवल एक किले को बचाना नहीं है ' यह हमारी सामूहिक स्मृति को बचाना है। यह हमारी स्थापत्य परंपरा को बचाना है। यह हमारे जल ज्ञान को बचाना है। यह हमारे लोक साहित्य को बचाना है। यह हमारे पूर्वजों की स्मृतियों को बचाना है। और सबसे बढ़कर—

यह आने वाली पीढ़ियों के अधिकार को बचाना है कि वे अपने अतीत को केवल किताबों में न पढ़ें, बल्कि उसे अपनी आँखों से देख सकें, उसकी दीवारों को छू सकें और उसकी कहानी को समझ सकें।

चित्तौड़गढ़ को संग्रहालय की काँच की अलमारी में बंद करने की आवश्यकता नहीं है। उसे जीवित रखना है। उसकी दीवारों को बोलने देना है। उसके मंदिरों को इतिहास सुनाने देना है। उसकी बावड़ियों को अपने जल-ज्ञान की कहानी कहने देना है। उसके स्तंभों को शौर्य और कला की भाषा में अगली पीढ़ी से संवाद करने देना है। और उसके पूरे परिसर को ऐसा बनाना है कि जब कोई बच्चा पहली बार चित्तौड़ की पहाड़ी पर चढ़े, तो उसके मन में एक प्रश्न नहीं, हजारों प्रश्न जन्म लें—

हम कौन थे? हमने क्या बनाया? हमने क्या सहा? और अंततः—

हम आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या बचाकर जा रहे हैं?

यही चित्तौड़ का वास्तविक पुनर्जागरण होगा। क्योंकि किले पत्थरों से बनते हैं, लेकिन विरासत स्मृति, संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों की चेतना से जीवित रहती है। चित्तौड़ को केवल पर्यटन स्थल मत बनाइए। उसे भारत की जीवित सभ्यता का विश्वविद्यालय बनाइए।

राज्य और केंद्र सरकार, मेवाड़ राजपरिवार, समस्त क्षत्रिय समाज तथा सभी जातियों और धर्मों के लोगों को अपने व्यक्तिगत, सामाजिक और वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर चित्तौड़ दुर्ग के संरक्षण, संवर्धन और गौरव की पुनर्स्थापना के लिए एकजुट होना होगा। यह केवल एक ऐतिहासिक स्मारक के संरक्षण का प्रश्न नहीं, बल्कि हमारी साझा विरासत, इतिहास और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा दायित्व है। यदि हम सब मिलकर इस महान दुर्ग के संरक्षण में अपनी जिम्मेदार और सार्थक भूमिका निभाते हैं, तो यही चित्तौड़ की अमर मिट्टी, उसके शूरवीर पूर्वजों और उनकी अदम्य विरासत को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उदयपुर की 19 वर्ष छात्रा वॉलीबॉल टीम ने लगातार दूसरी बार जीता कांस्य पदक

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। शिक्षा विभाग के तत्वावधान में निंबेड़ा कला, रायपुर (व्यावर) में आयोजित 70वीं वार्ष स्तरीय 17 एवं 19 वर्ष छात्रा वॉलीबॉल प्रतियोगिता में उदयपुर की 19 वर्ष छात्रा टीम ने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक हासिल किया। निश्चिता गायरी, लवीसा डांगी, नैनीशा दमामी, आराध्या जाट, कृतिका पटेल एवं रीना पटेल ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने लीग चरण के सभी मुकाबले जीतकर सुपर लीग में जगह बनाई। सुपर लीग में हनुमानगढ़ और चूरू को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची, जहां डीडवाना से पांच सेटों में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। कांस्य पदक



के मुकाबले में उदयपुर ने राजसमंद को सीधे तीन सेटों में 3-0 से हराकर पदक जीता। टीम के प्रबंधक दल में मोहनलाल शर्मा, बलवंत चौधरी, लता गहलोत, लक्ष्मीकांत मेनारिया, पुनीत मेनारिया, रामचंद्र मेनारिया एवं नाथी मीना शामिल रहे।

खबर संक्षेप

पंचायती राज चुनाव 2026 के प्रथम चरण के लिए नामांकन आज से

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायती राज चुनाव 2026 के प्रथम चरण की अधिसूचना आज जारी होगी और इसके साथ जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। उदयपुर जिले की 20 पंचायत समितियों की 590 ग्राम पंचायतों में चुनाव प्रस्तावित हैं। प्रथम चरण में 10 पंचायत समितियों की 284 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा, जिसके लिए 826 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें झाड़ोल, फलासिया, ओगणा, गिरवा, नाई, मावली, घासा, वल्लभनगर, भींडर और कुरावड़ शामिल हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक, संवीक्षा 14 अक्टूबर और नाम वापसी 15 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक होगी। इसी दिन चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। मतदान 22 अक्टूबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक और मतगणना 20 नवंबर को होगी। पंच-सरपंच पदों के लिए नामांकन 23 अक्टूबर तथा मतदान और मतगणना 24 अक्टूबर को होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल के नेतृत्व में प्रशासन ने निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए तैयारियां की हैं।

राजस्थान में पात्र एवं नवमतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान जारी

सलूबर/जयपुर@ पदमावत मीडिया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राजस्थान में मतदाता सूची के सतत अद्यतन के तहत पात्र एवं नवमतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि अभियान के तहत पिछले सात दिनों में नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए 57 हजार से अधिक फॉर्म-6 प्राप्त हुए हैं। अभियान का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान छूटे पात्र नागरिकों तथा 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत स्कूल-कॉलेजों में इलेक्ट्रोल लिटरसी क्लब के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम एवं विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अब राजस्थान में फॉर्म-6 एवं संशोधन के लिए फॉर्म-8 के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जोड़े गए घोषणा-पत्र की आवश्यकता भी समाप्त कर दी गई है। पात्र नागरिक ५६३-१२२००-६५८८८ या एक्स्ट्रैण्ट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा ब्यूथ लेवल अधिकारी के जरिए भी पंजीकरण कराया जा सकता है। महाजन ने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और अन्य पात्र लोगों को भी प्रेरित करने की अपील की है।

एपीजे अब्दुल कलाम व्यक्तित्व विकास योजना के लिए उदयपुर का 12 सदस्यीय दल जोधपुर रवाना

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। राज्य स्तरीय एपीजे अब्दुल कलाम व्यक्तित्व विकास योजना प्रतियोगिता में भाग लेने के



लिए उदयपुर जिले का 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जोधपुर रवाना हुआ। दल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उदयपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रतियोगिता में वाद-विवाद, निबंध एवं देशभक्ति गीत प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रभारी दीपा नलवावा एवं कल्पना बूढानियां के नेतृत्व में शोभा भोंई, जिनिशा शर्मा, खुशी, जानवी व्यास, निकिता नगारची, माया गमेती, राधिका राजपूत, दीपा नन्दवाना, राधिका गमेती एवं काव्या सेन विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी।

पैकिंग फर्मों में विधिक माप विज्ञान विभाग का आकस्मिक निरीक्षण

प्रतापगढ़ @ पदमावत मीडिया। विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा पैकिंग फर्मों में विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 एवं पैकेज कमोडिटीज नियम 2011 के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आकस्मिक निरीक्षण एवं कार्रवाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रतापगढ़ क्षेत्र में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पैक किए जा रहे उत्पादों पर निर्धारित घोषणाओं, पैकिंग संबंधी प्रावधानों एवं विधिक माप विज्ञान नियमों की पालना की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट पॉइंट (रिलायंस रिटेल लिमिटेड), मोहन ट्रेडर्स एवं राशन मार्ट में विधिक माप विज्ञान विभाग के प्रावधानों के अनुरूप कार्य होना पाया गया।

राजस्थान पुलिस का प्रदेशव्यापी प्रहार: 17,049 ठिकानों पर दबिश, 7,744 अपराधी व असामाजिक तत्व गिरफ्तार

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com



जयपुर। प्रदेश में वांछित अपराधियों, असामाजिक तत्वों और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बने समाजकंटकों की धरपकड़ के लिए राजस्थान पुलिस ने एक दिन में प्रदेशव्यापी एरिया डोमिनेशन अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निदेशानुसार चलाए गए इस महाअभियान में 2,961 विशेष टीमों के 12,151 पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने प्रदेशभर में 17,049 चिह्नित सदिग्ध ठिकानों पर ताबड़तोड़ दबिश देकर कुल 7,744 अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया।

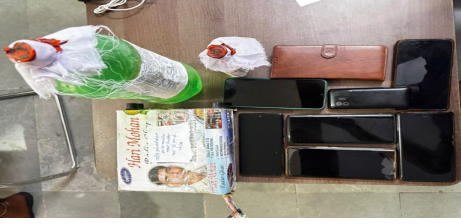
अभियान के दौरान संगठित अपराध, मादक पदार्थ तस्करी, जघन्य अपराधों एवं आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने 55 ईनामी अपराधियों तथा 354 हार्डकोर अपराधियों, सक्रिय हिस्ट्रीशीटर एवं मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। हत्या, हत्या का प्रयास, लूट एवं डकैती जैसे जघन्य अपराधों में वांछित 95 अपराधियों को पकड़ा गया। आर्म्स एक्ट एवं एनडीपीएस एक्ट के मामलों में 141 तथा आबकारी अधिनियम के तहत 173 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने कोर्ट से फरार, स्थायी वारंट, उद्घोषित अपराधी

एवं 335 बीएनएसएस के तहत 922 आरोपियों को गिरफ्तार किया। फायरिंग एवं फायर आर्म्स प्रकरणों में चालान किए गए 164 सक्रिय अपराधियों को भी पकड़ा गया। अभियान के दौरान 787 नए प्रकरण दर्ज किए गए, सामान्य मुकदमों में 677 वांछितों को गिरफ्तार किया गया तथा 170 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई में 3,283 व्यक्तियों के साथ अन्य मामलों में 1,756 व्यक्तियों को पकड़ा गया। इस प्रकार कुल 7,744 गिरफ्तारियां की गईं। जिलेवार कार्रवाई में टोंक जिले में 97 टीमों ने 363 स्थानों पर दबिश देकर 407 अपराधियों को गिरफ्तार किया। भीलवाड़ा में 133 टीमों ने 305 ठिकानों पर कार्रवाई कर 330 तथा अजमेर में 122 टीमों ने 598 ठिकानों पर दबिश देकर 280 अपराधियों को गिरफ्तार किया। उदयपुर जिले में 115 टीमों ने 932 ठिकानों पर दबिश देकर 354 गिरफ्तारियां कीं। झालावाड़ में 194



गिरफ्तारियां हुईं, जिनमें 70 हार्डकोर एवं हिस्ट्रीशीटर शामिल हैं। चित्तौड़गढ़ में 89 टीमों ने कार्रवाई कर 165 आरोपियों को गिरफ्तार किया। धौलपुर में 246, बीकानेर में 204, डींग में 291, हनुमानगढ़ में 241, चूरू में 233, पाली में 226 और अलवर में 207 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। राजधानी जयपुर में जयपुर वेस्ट की 51 टीमों ने 332 ठिकानों पर दबिश देकर 27 हार्डकोर एवं 30 स्थायी वारंटियों सहित 215 अपराधियों को गिरफ्तार किया। जयपुर नॉर्थ में 41 टीमों ने 196 ठिकानों पर कार्रवाई कर 178, जयपुर ईस्ट में 60 टीमों ने 354 स्थानों पर दबिश देकर 173 तथा जयपुर साउथ में 48 टीमों ने 299 ठिकानों पर कार्रवाई कर 142 अपराधियों को गिरफ्तार किया। जयपुर ग्रामीण की 61 टीमों में 430 स्थानों पर कार्रवाई कर 101 आरोपियों को गिरफ्तार किया।



जोधपुर ईस्ट की 48 टीमों ने 426 ठिकानों पर कार्रवाई कर 10 हार्डकोर एवं 58 स्थायी वारंटियों सहित 178 अपराधियों को गिरफ्तार किया, जबकि जोधपुर वेस्ट में 40 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने 216 ठिकानों पर दबिश देकर 11 ईनामी बदमाशों एवं 23 स्थायी वारंटियों सहित 67 आरोपियों को गिरफ्तार किया। रेलवे सुरक्षा के तहत जीआरपी अजमेर ने 18 तथा जीआरपी जोधपुर ने 40 असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के अनुसार प्रदेश में शांति, सुरक्षा एवं भयमुक्त माहौल कायम करने के उद्देश्य से यह विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया है। आमजन में विश्वास और अपराधियों में कानून का भय बनाए रखने के लिए इस प्रकार की पुलिस कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी।

जालोर के युवा कवि दुष्यंतराज सिंह ने कविताओं में बनाया आठवां शतक

संवाददाता : माणकमल भंडारी

जालोर @ पदमावत मीडिया युवा कवि दुष्यंतराजसिंह गहलोत ने अपनी कविताओं की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 800 कविताएं पूर्ण कर आठवां शतक बनाया है। गहलोत ने बताया कि कक्षा 12वीं से ही उन्हें साहित्य के प्रति अनुराग रहा और वरिष्ठ साहित्यकारों के सानिध्य में कविता लेखन शुरू किया। वे पूर्व जनसंपर्क अधिकारी एवं इतिहासकार डॉ. मोहनलाल गुप्ता को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अभिनव भारत नामक व्हाट्सएप समूह बनाकर मंचीय कवियों एवं वरिष्ठ साहित्यकारों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनकी रचनाएं करीब 17 साझा संकलनों के साथ विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हो चुकी हैं। पेशे से बीमा अधिकर्ता गहलोत वर्तमान में बॉलीवुड राइजिंग स्टार टैलेंट अवॉर्ड संस्था के जिलाध्यक्ष हैं और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों से भी जुड़े हैं। आठवां शतक पूरा होने पर माणकमल भंडारी, रीना सिंह गहलोत, अदिति चौधरी, शिखा शंखवार, कोमल सिन्हा, आनंदसिंह परिहार सहित विभिन्न संगठनों एवं साहित्यप्रेमियों ने बधाई दी। गहलोत को भेड़ाघाट जबलपुर के राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में एक्सीलेट पोएट अवॉर्ड तथा अंतरराष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान से नवाजा जा चुका है। वे युवाओं को लेखन के प्रति सजग रहने का संदेश देते हैं।



पुलिस थाना कोटड़ा की बड़ी कार्रवाई: वाकल नदी के किनारे अवैध गांजे की खेती पकड़ी, 192.22 किलोग्राम हरे पौधे जब्त

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। जिले के पुलिस थाना कोटड़ा ने युवाओं को नशे से बचाने एवं अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे जागृति अभियान के तहत वाकल नदी के किनारे एक खेत में अवैध रूप से की जा रही गांजे की खेती का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से गांजे के हरे एवं गीले पौधे उखाड़कर कुल 192.22 किलोग्राम वजन के पौधे जब्त किए हैं। कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मुकुल शर्मा एवं वृत्ताधिकारी वृत्त कोटड़ा डूंगरसिंह के



सुपरविजन में थानाधिकारी प्रभुलाल के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम को ग्राम डूंगरिया-खाखरिया पटवार मंडल क्षेत्र, थाना कोटड़ा में वाकल नदी के किनारे स्थित एक अज्ञात खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती किए जाने की पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना पर टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए खेत में उगाए गए गांजे के हरे एवं गीले पौधों को

उखाड़कर जब्त किया। जब्त पौधों का कुल वजन 192.22 किलोग्राम पाया गया। इस संबंध में पुलिस थाना कोटड़ा में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण संख्या 161/26 दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा अवैध खेती एवं तस्करी के नेटवर्क से जुड़े मुख्य आरोपियों के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रभुलाल, सहायक उप निरीक्षक दिनेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक रमेश कुमार, कांस्टेबल बाबूलाल, शिवसिंह, उत्पल, रमेश कुमार एवं पंकज की विशेष भूमिका रही।

हिण्डौन में उदयपुर का परचम: 14 वर्षीय छात्रा टेबल टेनिस टीम बनी राज्य चैंपियन

उदयपुर टीम ने फाइनल में चूरू को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। शिक्षा विभाग के तत्वावधान में हिण्डौन सिटी, करौली में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता (14 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग) में उदयपुर जिले की छात्रा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उदयपुर टीम के दल प्रभारी रविन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि टीम में रिद्धि डांगी, चार्वी मोदी, फरहीन अतारी, भुवन्या राणावत एवं आश्रिया नायर शामिल थीं। सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में एकजुटता और उत्कृष्ट खेल का परिचय दिया। उन्होंने



बताया कि सेमीफाइनल के रोमांचक और कड़े मुकाबले में उदयपुर टीम ने जयपुर टीम को 3-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उदयपुर ने चूरू की टीम को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। टीम प्रबंधन, प्रशिक्षकों एवं समस्त खेल प्रेमियों ने विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दक्षिण अंडमान में लापता व्यक्ति की हत्या का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया

padmavatmedia@gmail.com

दक्षिण अंडमान। बंबूफ्लैट थाना पुलिस ने 60 वर्षीय मादिद सिंह उर्फ राम सिंह के लापता होने के मामले का खुलासा करते हुए हत्या का मामला दर्ज किया है। परिजनों ने 26 सितंबर को उनके 25 सितंबर से घर नहीं लौटने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण, सीडीआर, गवाहों से पूछताछ और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस शेख साबीर



तक पहुंची। पूछताछ में प्रदीप सिंह, सुमित कुजूर और एक विधि-विरुद्ध बालक की सलिपता सामने आई। पुलिस ने 2 अक्टूबर को आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और

विधि-विरुद्ध बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया। आगे की जांच में जिंग नात्ता, माइल तिलक से मृतक का विघटित शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जीवी पंत अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल वाहन और हथियार भी जब्त किए हैं। कार्रवाई एसडीपीओ दीपेंद्र कुमार सिंह की निगरानी में हुई। जांच टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक एस. कन्नन, उप निरीक्षक दिनेश मोणा, सुधीर कुमार, मंडीप सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे।

उदयपुर में निर्वाचन कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम घोषित

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। पंचायती राज चुनाव 2026 को लेकर निर्वाचन कार्मिकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। समस्त रिटर्निंग अधिकारियों का प्रशिक्षण 12 और 13 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे सुखाड़िया रंगमंच सभागार में होगा। अन्य निर्वाचन कार्मिकों का प्रशिक्षण 14 अक्टूबर से अलग-अलग ब्लॉक एवं तहसील मुख्यालयों पर शुरू होगा। प्रशिक्षण में मतदान प्रक्रिया की सैद्धांतिक जानकारी के साथ ईवीएम का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

बड़गांव, गिरवा, कुरावड़, बारापाल, भींडर, कानोड़, गोमुंद, सावरा, झाड़ोल, फलासिया, खेरवाड़ा, नयागांव, कोटड़ा, मावली, घासा, ऋषभदेव और वल्लभनगर के लिए निर्धारित केंद्रों पर अलग-अलग तिथियों में प्रशिक्षण आयोजित होगा। इससे पहले बुधवार को जिला परिषद सभागार में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण



हुआ। राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. महामायाप्रसाद चौबीसा ने डीएलएमटी और बीएलएमटी को निर्वाचन प्रक्रिया एवं ईवीएम की जानकारी दी। ये प्रशिक्षक आगामी शिविरों में निर्वाचन कार्मिकों को प्रशिक्षण देंगे।

खबर संक्षेप

‘सत्यनिष्ठा से समृद्धि’ विषय पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

सतर्कता जागरूकता अभियान-2026 के तहत विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

उदयपुर @ पदमावत मीडिया। भारत सरकार के सतर्कता जागरूकता अभियान-2026 के तहत आयकर विभाग द्वारा पानेरियों की मादड़ी स्थित महात्मा गांधी राजकीय



विद्यालय में ‘सत्यनिष्ठा से समृद्धि’ विषय पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयकर अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दोनों प्रतियोगिताओं में 40-40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने निबंध लेखन एवं चित्रकला के माध्यम से सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों के महत्व को अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को समाज में पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। उन्होंने बताया कि सतर्कता जागरूकता अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों सहित आमजन में सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच विकसित होने के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को भी प्रोत्साहन मिलता है।

जैन सोशल ग्रुप ‘मेन’ उदयपुर का यात्रा-भ्रमण कार्यक्रम संपन्न



हुआ। ग्रुप अध्यक्ष के.एस. नलवाया ने बताया कि सदस्य दिल्ली, नैनीताल, जिम कॉर्बेट, मसूरी, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा कर 5 अक्टूबर को सुबह 9 बजे सकुशल उदयपुर लौटे। मीडिया प्रभारी प्रोफेसर विमल शर्मा ने बताया कि यात्रा समिति के संयोजक कमल कोठारी के सान्निध्य में ब्राइट होम हॉलीडेज के माध्यम से यात्रा आयोजित की गई। सदस्यों ने देव-दर्शन, भ्रमण, मनोरंजन एवं भोजन का आनंद लिया। अंतिम दिन यात्रा संयोजक, ट्रेवल एजेंट, चालक एवं अन्य सहयोगियों का उपरना ओढ़ाकर स्वागत-अभिर्नंदन किया गया तथा भेंट प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों का सामूहिक छायाचित्र लिया गया।

नुब्रा में रंगाई तकनीक उन्नयन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संपन्न

लेह @ पदमावत मीडिया। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से एनआईएफटी श्रीनगर तथा



हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग, लेह के सहयोग से नुब्रा में 29 सितंबर से 4 अक्टूबर तक छह दिवसीय रंगाई तकनीक उन्नयन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के रैम्प कार्यक्रम के तहत आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कारीगरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में प्राकृतिक एवं आधुनिक रंगाई तकनीकों, टाई-डाई, रेंजिस्ट-डाईंग, रंग विकास एवं उपयोग, रंगों की एकरूपता, रंग स्थायित्व, गुणवत्ता नियंत्रण और उत्पाद परिष्करण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर कारीगरों ने प्रशिक्षण के दौरान तैयार किए गए वस्त्र एवं उत्पाद प्रदर्शित किए तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभाग के अनुसार यह पहल लद्दाखी वस्त्र उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन, बाजार क्षमता और कारीगरों की आय बढ़ाने के साथ पारंपरिक हथकरघा क्षेत्र को मजबूत करने में सहायक होगी।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

विगत एक सप्ताह में लगभग 1 करोड़ 62 लाख रुपये से अधिक के अवैध मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त



पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन एवं अवैध खेती के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने कार्यवाही कर गांजा, ब्राउन शुगर, स्मैक, अफीम एवं डोडाचूरा सहित बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ लगभग 1 करोड़ 62 लाख रुपये से अधिक के अवैध मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है।

रतलाम

जिले के सरवन थाना क्षेत्र में पुलिस ने शासकीय भूमि पर कपास-मक्का की फसल के बीच की जा रही अवैध गांजे की खेती का खुलासा करते हुए 2,948 हरे गांजे के पौधे, कुल वजन 724 किलोग्राम जिसकी अनुमानित कीमत 70 लाख रुपये है, जब्त किए हैं।

विदिशा

थाना कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से ब्राउन शुगर एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 2 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। वहीं, ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत ब्राउन शुगर



तस्करी नेटवर्क का खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 38.56 ग्राम ब्राउन शुगर, ईकोस्पोट कार, मोटरसाइकिल एवं 5 मोबाइल सहित लगभग 16 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

इसके अतिरिक्त थाना कोतवाली और सिविल लाइन पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाइयों में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 80 ग्राम ब्राउन शुगर और वाहनों सहित लगभग 12 लाख 81 हजार रूपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

इस प्रकार विदिशा पुलिस ने इन कार्रवाइयों में लगभग 31 लाख 81 हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

धार

जिले के मनावर में पुलिस ने ग्राम उकाला के तीन खेतों पर एक साथ कार्यवाही कर अवैध रूप से उगाए गए गांजे के 229 हरे पौधे, करीब 170 किलोग्राम, जिसकी अनुमानित कीमत 20 लाख रुपये है, जब्त किए।

देवास

जिले के सोनकच्छ में पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत ड्रोन की मदद से अवैध गांजा खेती का खुलासा कर 354 गांजे के पौधे, कुल वजन 700 किलोग्राम गांजा, अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये जब्त किया है।



राजगढ़

जिले में ऑपरेशन शुद्धि के तहत थाना कोतवाली एवं विशेष टीम की संयुक्त कार्रवाई में 50.860 किलोग्राम अवैध गांज एवं कार सहित लगभग 11 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। साथ ही 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मंदसौर

जिले में थाना सीतामऊ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 2 किलो 978 ग्राम अवैध अफीम एवं मोटरसाइकिल सहित लगभग 4 लाख 90 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

वहीं थाना सुवासरा की चौकी रुजिजा पुलिस ने 62 किलो 900 ग्राम अवैध डोडाचूरा, दो मोबाइल, एक कीपेड मोबाइल एवं कार सहित लगभग 1 लाख 55 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

इसी प्रकार थाना गरोठ पुलिस ने संतरे के बगीचे के बीच से अवैध मादक पदार्थ गांजे के 107 हरे पौधे तथा मोबाइल सहित लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये की संपत्ति जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

इस प्रकार मंदसौर जिले की तीनों कार्रवाइयों में लगभग 7 लाख 55 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

गुना

जिले की मृगवास थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध स्मैक के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्करो को गिरफ्तार

‘मेरे सपनों का भारत-विकसित भारत’ विषय पर चित्र एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। विद्यार्थियों में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष तथा विकसित भारत की संकल्पना के प्रति जागरूकता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से राबाउमावि रेजीडेन्सी में हमारे सपनों का भारत-विकसित भारत विषय पर चित्र एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता शिक्षा निदेशालय बीकानेर से प्राप्त निर्देशों के तहत मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह यादव के निर्देशन में हुई।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि चित्र प्रतियोगिता में गुरु नानक उमावि सेक्टर-4 की खुशी सेन ने प्रथम, स्वामी विवेकानन्द राउमावि मावली की तनिष्का जीनगर ने द्वितीय तथा राउमावि परमदा कुराबड़ के भेरूनाथ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में राबाउमावि बड़गांव की कनिष्का राव प्रथम, राउमावि पीपली-ब, ऋषभदेव के हरीश मीणा द्वितीय तथा राउमावि वास गोगुंदा की जय वैरागी तृतीय रहीं। प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रथम



विद्यार्थियों में विकसित भारत की संकल्पना के प्रति जागरूकता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास

पुरस्कार के रूप में 2100 रुपये, द्वितीय को 1100 रुपये तथा तृतीय को 500 रुपये नकद पारितोषिक के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। आयोजन में सहायक निदेशक कृष्ण कुमार सुथार, अजय धींग, मुकेश पारीख, मनोज यादव एवं असलम चौपदार उपस्थित रहे।

विप्र फाउंडेशन 1 नवंबर को आयोजित करेगा आरएएस मार्गदर्शन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। विप्र फाउंडेशन के शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ की कोर कमेट्री की बैठक में 1 नवंबर 2026 को द्वितीय आरएएस मार्गदर्शन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। लेक एन हिल व्यू होटल में हुई बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में 65 से 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विप्र विद्यार्थियों एवं विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का



सम्मान किया जाएगा। साथ ही आईएएस, आरएएस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेषज्ञों एवं सफल अभ्यर्थियों

उदयपुर में ‘कठिन लक्ष्य : चुनौतियां एवं प्रेरणाएं’ विषय पर व्याख्यान आयोजित



पदमावत मीडिया padmavatmedia@gmail.com

उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ एवं रानी लक्ष्मीबाई आत्म प्रशिक्षण केंद्र के तत्वावधान में ह्यकठिन लक्ष्य: चुनौतियां एवं प्रेरणाएँ विषय पर वार्ता आयोजित हुई। मुख्य वक्ता राज्य की प्रथम सिविलियन महिला पर्वतारोही डॉ. मनस्वी अग्रवाल ने छात्राओं को पर्वतारोहण के दौरान सामने आई चुनौतियों की जानकारी देते हुए कठिन लक्ष्य निर्धारित कर आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और



निरंतर प्रयास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रो. अंजना गौतम ने छात्राओं की शिक्षा और साहस पर बल दिया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. अनामिका सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम में सौ से अधिक छात्राओं सहित प्रो. बिंदु कटारिया, डॉ. वैशाली देवपुरा, डॉ. रेणुका वर्मा, डॉ. नरेन्द्र शेखावत और नरपत दान उपस्थित रहे। इस अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के दूसरे चरण का शुभारंभ भी किया गया। शिविर स्थानीय पुलिस प्रशासन के सहयोग से संचालित होगा।

दक्षिण अंडमान में नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 लोग गिरफ्तार

दक्षिण अंडमान @ पदमावत मीडिया। नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत दक्षिण अंडमान जिला पुलिस ने 1 सितंबर से अब तक विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर 15 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 7.754 किलोग्राम गांजा, 1.21 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और 26 गांजे के पौधे जब्त किए। कार्रवाई के बाद एनडीपीएस अधिनियम के तहत नौ प्राथमिकी दर्ज की गई। हंफ्रीगंज में 2.29 किलोग्राम गांजा के साथ तीन, पहाड़गांव में 1.21049 किलोग्राम मेथामफेटामाइन के साथ पांच और अबरडीन में 4.125 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक नशीले पदार्थों से जुड़े 41 मामले दर्ज कर 67 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान 19.33 किलोग्राम गांजा, 1.67 किलोग्राम हशीश, 10.051 किलोग्राम मेथामफेटामाइन, नाइट्रोजेनपाम की गोशियां और 73 गांजे के पौधे जब्त किए गए। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने के लिए 298 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पुलिस ने अवैध नशे की बिक्री और आपूर्ति के खिलाफ अभियान जारी रखने तथा आमजन से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

